

राजनगर में जोबा माझी के पक्ष में सीएम ने की जनसभा
मुट्ठी भर लोगों के लिए सत्ता
चाहती भाजपा: चंपाई सोरेन



आजाद सिपाही संवाददाता

जनशेषदूर। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने गुरुवार को अपने विधानसभा मुट्ठी भर उद्योगपति मिस्टरों के लिए सत्ता चाहती है। कहा कि भाजपा अपने को संबोधित करता है। इस दौरान माझी के पक्ष में चुनावी सभा को खारेंगड़ की खनिज संपदाओं पर है। पूर्व की भाजपा सीएम ने उपर्युक्त लोगों से जोबा माझी के पक्ष में बोट करने की आपील करते हुए कहा कि जोबा माझी एक शाहीद आंदोलनकारी से राज्य के जल, जंगल, जपीन की रक्षा होगी। सीएम ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिराते हुए भाजपा को जुमलेवाज पार्टी करार दिया।

सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि हमने 1932 आधारित खतियान, सरना धर्म कोड, और अंतर्राष्ट्रीय कोड के लिए बोल रखा है। उन्होंने जोबा को विजयी बनाने की अपील करते हुए कहा कि जोबा माझी एक संर्वेशील महिला है। इनकी जीत महिला सशक्तिकरण को मजबूती देंगी।



मोदी-राहुल की यात्रा के बाद बदल रहा है लोहरदगा का माहौल

- राष्ट्रीय के साथ स्थानीय मुद्दों पर भी मतदाताओं के बीच होने लगी है चर्चा
- चमरा लिंडा के मैदान में उतरने से हर दिन रोचक होता जा रहा है मुकाबला
- समीर उरांव और सुखदेव भगत के लिए वोटरों की चुप्पी पड़ रही है भारी

लोहरदगा लोकसभा सीट पर इस बार मुकाबला जिक्रीय हो रहा है। भाजपा के समीर उरांव और कांग्रेस के सुखदेव भगत के बीच झाम्मो के बागी विधायक चमरा लिंडा तीसरा कोण बना रहे हैं। वैसे चमरा लिंडा पहले भी चुनावी मैदान में उतर कर कांग्रेस उम्मीदवार का खेल बिगाड़ चुके हैं और ये बात मतदाता भी अच्छी तरह समझी चुके हैं। लोहरदगा संसदीय सीट की अहमियत इसी बात से समझी जा सकती है कि यहाँ प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी चुनाव प्रचार कर चुके हैं। इन दोनों की यात्रा के बाद लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र का चुनावी

माहौल गरमा गया है। दोनों राष्ट्रीय नेताओं की यात्रा के बाद अब राष्ट्रीय के साथ स्थानीय मुद्दों की भी खबूल चर्चा होने लगी है, लेकिन मतदाताओं की खामोशी के कारण कई भी प्रत्याशी भरोसे के साथ दावा करने की स्थिति में नहीं है। लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में चुनाव की सबसे अधिक सरगमी

बिशनपुर विधानसभा क्षेत्र में देखी जा रही है, जहाँ के विधायक चमरा लिंडा निर्दलीय के रूप में मैदान में हैं। शहरी इलाकों में जहाँ भाजपा प्रत्याशी बढ़त लोटे नजर आ रहे हैं, वहीं ग्रामीण इलाकों में कांग्रेस और झाम्मो की गिली-जुली ताकत का भी नजारा दिखने लगा है। छोटा संसदीय क्षेत्र होने के

वाते लोहरदगा में हमेशा की तरह इस बार भी कड़ा और नजदीकी मुकाबला देखने का मिल सकता है। लोगों से बातचीत में एक बात साफ हो जाती है कि मोदी सरकार के प्रति लोग नाराज नहीं हैं, लेकिन ग्रामीण इलाकों में सरना धर्म कोड और स्थानीयता जैसे मुद्दों की बात चर्चा में है। भट्टाचार्य, महंगा और बोरेजगारी जैसे राष्ट्रीय मुद्दों पर मतदाता बटे हुए नजर आ रहे हैं। कैसा चल रहा है लोहरदगा संसदीय सीट पर चुनाव प्रचार अभियान और कैसा है माहौल, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संगदाता सफेद शिंग।



राकेश सिंह

पूरे देश में अभी चुनाव का माहौल है तो जाहिर सी बात है कि लोहरदगा में भी इस पर चर्चा होगी है। शहर से लेकर गांव, मुहल्लों और बाजार में चुनाव पर चर्चा हो रही है। राजनीति के जानकार से लेकर रोजर्मार्क का जीवन जीने वाली आम जनता भी गुण-गणित कर रही है। वोटरों का मानना है कि लोहरदगा में भी इस पर चर्चा होगी है। शहर के सिर्फ और चुनावी समारोह उरांव, कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत और निर्दलीय चमरा लिंडा के अलावा अन्य प्रत्याशी भी क्षेत्र में सक्रिय हैं। फिर भी एक बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि इस बार गुमला जिला के विशुनपुर विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक चुनावी शेर क्यों सुनाई पड़ रहा है।

पीएम मोदी और राहुल गांधी की सभाएं सिसर्फ बसिया में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशेष सभा सिसर्फ में हुई, जिसमें उन्होंने प्रस्तावाचार समर्पित उरांव के बीच मुकाबला और रोचक हो गया है।

लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में चुनाव प्रचार जोरों पर है। अलग-

अलग अलग राजनीतिक दल अलग-



भाजपा को आदिवासी हिंदों का असरीली रक्षक बता कर उठाने अपनी सरकार द्वारा किये गये विकास कार्यों का बखुली उल्लेख में कुछ दिनों पहले तक कांग्रेस उम्मीदवार सुखदेव भगत और भाजपा प्रत्याशी समर्पित उरांव, कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत और निर्दलीय चमरा लिंडा के अलावा अन्य प्रत्याशी भी क्षेत्र में सक्रिय हैं। फिर भी एक बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि इस बार गुमला जिला के विशुनपुर विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक चुनावी शेर क्यों सुनाई पड़ रहा है।

पीएम मोदी और राहुल गांधी की विशेष सभा सिसर्फ में हुई, जिसमें उन्होंने प्रस्तावाचार समर्पित उरांव के बीच मुकाबला और रोचक हो गया है।

लोहरदगा संसदीय क्षेत्र में चुनाव प्रचार जोरों पर है। अलग-

अलग राजनीतिक दल अलग-

कांग्रेस के बारे में भी लोग बात करते मिले। गहुल गांधी ने कांग्रेस के विकास कार्यों के बाबत किये गये कामों के साथ आरक्षण, सरना धर्म कोड और स्थानीयता जैसे भावनात्मक मुद्दे उठाकर हवा कर रुख मोड़ने की खुब कोशिश की। गहुल गांधी की सभा करने का असर यह हुआ है कि कांग्रेस के नेता अब सुखदेव भगत के लिए फील्ड में उतर गये हैं। इधर सिसर्फ हो या बसिया, घंडरा हो या फिर विशुनपुर, चुनाव प्रचार का शेर हर जगह सुनाई देता है, लेकिन सभासे अधिक विशुनपुर

इलाके में 'बल्लेवाज' का शेर है, जो निर्दलीय चमरा लिंडा का चुनाव चिढ़ रहा है। ज्ञामुमो के प्रभाव वाले क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान देने की कोई भी कोशिश अब चापुमो पूरा येर चमरा लिंडा का अपना नेट वर्क है और पार्टी से नियंत्रण के बाद भी उनकी सेहत पर कोई असर नहीं पड़ा है। इसके अलावा गुमला जिला में सिसर्फ, विशुनपुर और गुमला तीनों विधानसभा क्षेत्रों में ज्ञामुमो का विधायक होने की वजह से भाजपा भी इस बार इस क्षेत्र में वोट विशेषता को बढ़ाने और इनका प्रभाव प्रदान करने पर ध्यान दे रही है।

लोगों का मानना है कि भाजपा पीएम मोदी का सहारा लेकर जीत का ताल ठोक रही है। वहीं विशेष संवादान बचाने, ज्ञामुमो और गुमला जिला के अन्य असरीली रक्षकों की विशेष संवादान करने की वजह से वोट विशेषता को बढ़ाने और इनका प्रभाव प्रदान करने पर ध्यान दे रही है।

भाजपा को आदिवासी हिंदों का असरीली रक्षक बता कर उठाने अपनी सरकार द्वारा किये गये विकास कार्यों के साथ आरक्षण, सरना धर्म कोड और स्थानीयता जैसे भावनात्मक मुद्दे उठाकर हवा कर हवा करने की खुब कोशिश की। गहुल गांधी की सभा करने का असर यह हुआ है कि कांग्रेस के नेता अब सुखदेव भगत के लिए फील्ड में उतर गये हैं। इधर सिसर्फ हो या बसिया, घंडरा हो या फिर विशुनपुर, चुनाव प्रचार का शेर हर जगह सुनाई देता है, लेकिन सभासे अधिक विशुनपुर

इलाके में 'बल्लेवाज' का शेर है, जो निर्दलीय चमरा लिंडा का चुनाव चिढ़ रहा है। ज्ञामुमो के प्रभाव वाले क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान देने की कोई भी कोशिश अब चापुमो पूरा येर चमरा लिंडा का अपना नेट वर्क है और पार्टी से नियंत्रण के बाद भी उनकी सेहत पर कोई असर नहीं पड़ा है। इसके अलावा गुमला जिला में सिसर्फ, विशुनपुर और गुमला तीनों विधानसभा क्षेत्रों में ज्ञामुमो का विधायक होने की वजह से भाजपा भी इस बार इस क्षेत्र में वोट विशेषता को बढ़ाने हैं, तो उनकी सेहत पर कोई असर नहीं पड़ा है। कुछ लोगों का मानना है कि विशेष संवादान करने की वजह से वोट विशेषता को बढ़ाने हैं, तो उनकी सेहत पर कोई असर नहीं पड़ा है।

लोगों का मानना है कि भाजपा पीएम मोदी का सहारा लेकर जीत का ताल ठोक रही है। वहीं विशेष संवादान बचाने, ज्ञामुमो और गुमला जिला के अन्य असरीली रक्षकों की विशेष संवादान करने की वजह से वोट विशेषता को बढ़ाने और इनका प्रभाव प्रदान करने पर ध्यान दे रही है।

भाजपा को आदिवासी हिंदों का असरीली रक्षक बता कर उठाने अपनी सरकार द्वारा किये गये विकास कार्यों के साथ आरक्षण, सरना धर्म कोड और स्थानीयता जैसे भावनात्मक मुद्दे उठाकर हवा कर हवा करने की खुब कोशिश की। गहुल गांधी की सभा करने का असर यह हुआ है कि कांग्रेस के नेता अब सुखदेव भगत के लिए फील्ड में उतर गये हैं। इधर सिसर्फ हो या बसिया, घंडरा हो या फिर विशुनपुर, चुनाव प्रचार का शेर हर जगह सुनाई देता है, लेकिन सभासे अधिक विशेषता को बढ़ाने हैं, तो उनकी सेहत पर कोई असर नहीं पड़ा है।

भाजपा को आदिवासी हिंदों का असरीली रक्षक बता कर उठाने अपनी सरकार द्वारा किये गये विकास कार्यों के साथ आरक्षण, सरना धर्म कोड और स्थानीयता जैसे भावनात्मक मुद्दे उठाकर हवा कर हवा करने की खुब कोशिश की। गहुल गांधी की सभा करने का असर यह हुआ है कि कांग्रेस के नेता अब सुखदेव भगत के लिए फील्ड में उतर गये हैं। इधर सिसर्फ हो या बसिया, घंडरा हो या फिर विशुनपुर, चुनाव प्रचार का शेर हर जगह सुनाई देता है, लेकिन सभासे अधिक विशेषता को बढ़ाने हैं, तो उनकी सेहत पर कोई असर नहीं पड़ा है।

भाजपा को आदिवासी हिंदों का असरीली रक्षक बता कर उठाने अपनी सरकार द्वारा किये गये विकास कार्यों के साथ आरक्षण, सरना धर्म कोड और स्थानीयता जैसे भावनात्मक मुद्दे उठाकर हवा कर हवा करने की खुब कोशिश की। गहुल गांधी की सभा करने का असर यह हुआ है कि कांग्रेस के नेता अब सुखदेव भगत के लिए फील्ड में उतर गये हैं। इधर सिसर्फ हो या बसिया, घंडरा हो या फिर विशुनपुर, चुनाव प्रचार का शेर हर जगह सुनाई देता है, लेकिन सभासे अधिक विशेषता को बढ़ाने हैं, तो उनकी सेहत पर कोई असर नहीं पड़ा है।

भाजपा को आदिवासी हिंदों का असरीली रक्षक ब

संपादकीय

तीन विधायकों का पाला बदलना

जब देश लोकसभा चुनावों में तीसरे चरण के मतदान से जुरु रहा था, तब मंगलवार को अचानक हरियाणा से आयी तीन विधायकों के पाला बदलने की खबर ने राजनीतिक तापमान और बढ़ा दिया। खास बात यह कि इन तीन निर्वालीय विधायकों के समर्थन वापस लेने के बाद प्रदेश की बीजेपी सरकार अल्पमत में आ गयी बतायी जा रही है। तीनों निर्वालीय विधायकों ने समर्थन वापसी का फैसला ऐसे समय किया, जब राज्य में लोकसभा चुनाव की गहरायगहरी अपने चरम पर है। राज्य की दसों लोकसभा सीटों के लिए 25 मई को वोट पड़ने हैं। ऐसे में इन तीन विधायकों की बीजेपी के बजाय कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करने का मानवकांग्रेस कार्यकारी टोली का मनोवेदन बढ़ाने वाला है। अब रहे, इसी साल के आखिर में राज्य में विधानसभा चुनाव भी होने वाले हैं। ऐसे में इन विधायकों की समर्थन वापसी के बाद नायब सिंह सैनी सरकार के सामने अपना बहुमत साबित करने की चुनौती आ खड़ी हुई है। हालांकि दो महीने पहले ही उन्होंने सदन में विश्वास मत हासिल किया है, इसलिए तत्काल उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता, लेकिन अल्पमत

विधायकों की गुटिकल यह है कि कांग्रेस और जेजेपी के विधायक निल कर गी सदन में बहुमत जुटाने की स्थिति ने नहीं है। यही वजह है कि कांग्रेस सरकार बनाने की बात करने के बाजाय राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने और तत्काल विधानसभा चुनाव कराने की माग कर रही है।

राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने और तत्काल विधानसभा चुनाव कराने की मांग कर रही है। दूसरी तरफ बीजेपी की ओर से कहा जा रहा है कि जेजेपी विधायकों को एक छाड़ा उत्के संपर्क में है। ऐसे में अगर ठोस नीतीजों के लिए जिला से देखा जाये तो राज्य में तत्काल सरकार गिरने की स्थिति नहीं दिख रही, लेकिन ऐसा राजनीतिक संकट जरूर खड़ा हो गया है, जिसकी अन्तर्दृष्टी करना किसी के लिए भी संभव नहीं रह गया है। प्रदेश और राज्यीय बीजेपी ने तूर्तु इस संकट से उत्तरों की बाया राह निकालता है, कोई राह निकाल पाता ही या नहीं, जहां स्पष्ट होने में थोड़ा वक्त लगेगा। प्रदेश में कांग्रेस और जेजेपी दोनों का मौजूदा रुख बताता है कि दोनों पार्टीयां इस स्थिति का अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए इस्तेमाल करेंगे में कोई कसर बाकी नहीं रखेंगी। ऐसा चुनाव के दौरान एक राज्य में दस साल से चलती बीजेपी सरकार का इस तरह अचानक गिरने की स्थिति में आ जाना विषय के लिए मुंहामारी मुद्रा मिलने जैसा है। लेकिन वह इसका कितना फायदा सचुवृत्त उठा पाता है और बीजेपी संभावित नुकसान से कितना बच पाती है, इसका पहला ठोस अंदाजा 4 जून को होने वाली मतदानों से ही मिलेगा।

अभिमत आजाद सिपाही

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कभी प्राकृतिक कारणों से जंगलों में आग लगती है, तो कभी अपने निहित स्वार्थों के कारण जानबूझ कर जंगलों में आग लगती है। जब तापमान बढ़ता है, तो जंगलों में आग लगने की आशंका भी बढ़ जाती है। कुछ समय पहले काऊसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीडीएल्यू) द्वारा जारी रिपोर्ट मैनेजिंग फारेस्ट फायर इन चेजिंग लाइन में बताया गया था कि भारत के 30 प्रतिशत से ज्यादा जिलों के जंगलों में भीषण आग लगने का खतरा मौजूद है।

जंगलों की आग से निपटने के लिए ठोस कार्ययोजना की जरूरत

रोहित कौशिक

इस समय उत्तराखण्ड के अनेक भागों से जंगलों में आग लगने की घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। आग के कारण वन सम्पदा को काफी नुकसान हो रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कभी प्राकृतिक कारणों से जंगलों में आग लगती है, तो कभी अपने निहित स्वार्थों के कारण जानबूझ कर जंगलों में आग लगती है। जब तापमान बढ़ता है, तो जंगलों में आग लगने की आशंका भी बढ़ जाती है। कुछ समय पहले काऊसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीडीएल्यू) द्वारा जारी रिपोर्ट मैनेजिंग फारेस्ट फायर इन चेजिंग लाइन में बताया गया था कि भारत के 30 प्रतिशत से ज्यादा जिलों के जंगलों में भीषण आग लगने का खतरा मौजूद है।

इस अध्ययन के अनुसार, पिछले दो दशकों के दौरान देश के जंगलों में आग लगने की घटनाएं 10 गुना से ज्यादा बढ़ गई हैं। तो जो से हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण आंध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र के जंगलों पर भीषण

आग लगने की आशंका के कारण सबसे ज्यादा खतरा है।

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि जंगल में आग रोकने और उससे लड़ने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित एक कैडर वैयर करना चाहिए। सरकारों को जंगलों में आग लगने की घटनाओं के लिए

रीयल-टाइम अलर्ट सिस्टम भी विकसित करना चाहिए।

इस अध्ययन में बताया गया है कि पिछले दो दशकों में जंगल में लगने वाली आग के 89 प्रतिशत से ज्यादा मामले उन जिलों में दर्ज किये गये हैं,

पहाड़ों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं के लिए

विकसित करना चाहिए।

इस अध्ययन में बताया गया है कि पिछले दो दशकों में जंगल में लगने वाली आग के 89 प्रतिशत से ज्यादा मामले उन जिलों में दर्ज किये गये हैं,

पहाड़ों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं के लिए

विकसित करना चाहिए।

इस अध्ययन में बताया गया है कि पिछले दो दशकों में जंगल में लगने वाली आग के 89 प्रतिशत से ज्यादा मामले उन जिलों में दर्ज किये गये हैं,

पहाड़ों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं के लिए

विकसित करना चाहिए।

इस अध्ययन में बताया गया है कि पिछले दो दशकों में जंगल में लगने वाली आग के 89 प्रतिशत से ज्यादा मामले उन जिलों में दर्ज किये गये हैं,

पहाड़ों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं के लिए

विकसित करना चाहिए।

इस अध्ययन में बताया गया है कि पिछले दो दशकों में जंगल में लगने वाली आग के 89 प्रतिशत से ज्यादा मामले उन जिलों में दर्ज किये गये हैं,

पहाड़ों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं के लिए

विकसित करना चाहिए।

इस अध्ययन में बताया गया है कि पिछले दो दशकों में जंगल में लगने वाली आग के 89 प्रतिशत से ज्यादा मामले उन जिलों में दर्ज किये गये हैं,

पहाड़ों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं के लिए

विकसित करना चाहिए।

इस अध्ययन में बताया गया है कि पिछले दो दशकों में जंगल में लगने वाली आग के 89 प्रतिशत से ज्यादा मामले उन जिलों में दर्ज किये गये हैं,

पहाड़ों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं के लिए

विकसित करना चाहिए।

इस अध्ययन में बताया गया है कि पिछले दो दशकों में जंगल में लगने वाली आग के 89 प्रतिशत से ज्यादा मामले उन जिलों में दर्ज किये गये हैं,

पहाड़ों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं के लिए

विकसित करना चाहिए।

इस अध्ययन में बताया गया है कि पिछले दो दशकों में जंगल में लगने वाली आग के 89 प्रतिशत से ज्यादा मामले उन जिलों में दर्ज किये गये हैं,

पहाड़ों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं के लिए

विकसित करना चाहिए।

इस अध्ययन में बताया गया है कि पिछले दो दशकों में जंगल में लगने वाली आग के 89 प्रतिशत से ज्यादा मामले उन जिलों में दर्ज किये गये हैं,

पहाड़ों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं के लिए

विकसित करना चाहिए।

इस अध्ययन में बताया गया है कि पिछले दो दशकों में जंगल में लगने वाली आग के 89 प्रतिशत से ज्यादा मामले उन जिलों में दर्ज किये गये हैं,

पहाड़ों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं के लिए

विकसित करना चाहिए।

इस अध्ययन में बताया गया है कि पिछले दो दशकों में जंगल में लगने वाली आग के 89 प्रतिशत से ज्यादा मामले उन जिलों में दर्ज किये गये हैं,

पहाड़ों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं के लिए

विकसित करना चाहिए।

इस अध्ययन में बताया गया है कि पिछले दो दशकों में जंगल में लगने वाली आग के 89 प्रतिशत से ज्यादा मामले उन जिलों में दर्ज किये गये हैं,

पहाड़ों के जंगलों में आग लगने की घटनाओं के लिए

विकसित कर

लड़कियों का भविष्य बर्बाद नहीं होने दूंगी: अरुणा शंकर



आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने युवाओं को केंद्रीय स्कूल में एवं वूमंस कालेज में 12वीं में फेल हुई लड़कियों के बीच पहुंचकर उनकी व्याधि सुनी उक्त लड़कियों शिक्षा विभाग के समक्ष धरने पर बैठती है। इस अवसर पर महापौर ने खुद छात्राओं के साथ डॉडोंगों का चालाया। जाकर सारी जानकारी डॉडोंगों से लेते हुए स्कूल के प्रिसिपल को तत्काल बुलावा। प्रिसिपल ने भी बताया कि पलामू डीसी ने भी बताया यह सारी लड़कियां हमारे यहाँ की टॉपसंग हैं। कहीं ना कहीं काई गलती हुई है। प्रथम महापौर ने अधिकांश छात्राएं 11वीं में 95 फीसी-अपावा मतदान के लिए जांच कराया। इनमें से 95 फीसी-अपावा मतदान के लिए चार अंक लाई है। प्रथम महापौर ने कहा कि शिक्षा विभाग इन बच्चियों की कार्यपायों के फिर से जांच कराए। इनमें से अधिकांश छात्राएं 11वीं में 95 फीसी-अपावा मतदान के लिए चार अंक लाई है। प्रथम महापौर ने हैरानी जताते हुए कहा कि केजी स्कूल में 45 में 38 लड़कियों फेल हैं और विमेस कालेज में 40 से 50 प्रतिशत लड़कियों फेल हैं। जिसमें कई शहर के लेकर सरकारी या आवश्यक सेवाओं से भी मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री से भी लड़कियों 95 प्रतिशत से ऊपर

डीसी ने किया सामग्री कोषांग का निरीक्षण



आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी शशि रंजन ने पुराने समाझरणालय परिसर में भू-भूनिन कार्यालय में ही विधानसभावार की निर्मित पैकेट, प्रभेदक चिन्ह की जांच की। उन्होंने मतदान सामग्री कोषांग के मतदानकर्मियों के लिये तैयार केंद्रों के जांच की। उन्होंने मतदान सामग्री कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह मेदिनीनगर नगर आयुक्त जावेद हुसैनको सामग्री की अधिकारी के पैकेटिंग करते समय चुनाव के आयोग के मपांड के अनुसार निर्धारित सामग्री की जांच करने उपलब्ध करने के प्रति चौकस करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित मतदान दल को दी जाने वाली अन्न सामग्रियों एवं नन स्टेच्यूरी पैकेट के बारीकी से जांच की।

श्री सर्वेश्वरी समूह की गुरी शाखा ने खोली पनश्ता

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। श्री सर्वेश्वरी समूह के गुरी प्रार्थना गृह की ओर से युवाओं को दो जगहों पर पनश्ता खोला गया। पहला गुरी सरकारी स्कूल के पास और दूसरा पास स्टैंड के पास खोला गया। इसके उद्घाटन पंसर ओमप्रकाश पांडे ने किया। इसके बाद समूह के लोगों ने गाहगीरों को गुड और शुद्ध पेंजल पलामू शुरू किया। वरिष्ठ सदस्य गम लखन पांडेय ने कहा कि जल्दतमं लोगों को सेवा ही सर्वेश्वरी समूह का मूख्य उद्देश्य है। मौके पर हलकानी राम, राम लखन पांडेय आदि मौजूद थे।

स्पॉटर्स



रियल मैट्रिड यूएफए चैपियंस लीग के फाइनल में

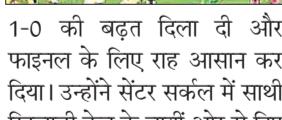


सेमीफाइनल के दूसरे लेग में म्यूनिख को 2-1 से हराया, 1 जून को डॉटमंड से बीमैट

नई दिल्ली (एजेंसी)। रियल मैट्रिड यूएफए चैपियंस लीग (यूएफए) के फाइनल में पहुंच गई है। टीम ने गुरुवार को सेमीफाइनल के दूसरे लेग में बायर्न म्यूनिख को 2-1 से हराया। इस तरह दोनों लेग को मिला कर रियल मैट्रिड ने 4-3 से फाइनल में प्रवेश कर लिया। इससे पहले दोनों लेगों के बायर्न म्यूनिख ने दो गोल देकर रियल मैट्रिड को दो गोल देकर रियल मैट्रिड के बायर्न म्यूनिख को 2-1 से आगे हो गया।

पहले लेग में स्कोर बराबरी पर था

वहाँ मैच के 88 वें मिनट में जोसेलु के द्वारा गोल को देकर रियल मैट्रिड के लिए चार आसान कर दिया। उन्होंने सेंटर सर्कल में साथी खिलाड़ी केन के बायां और से दिए पार को गोल में तब्दील कर दिया। टीमों ने 2-2 गोल की बराबरी बनायी। 14 बार के यूरोपीय चैपियन रियल मैट्रिड के लिए दोनों गोलों को डॉटमंड से होगा। रियल मैट्रिड के लिए दोनों गोल जोसेलु (जोस लुइस मार्टो) ने किया। वहाँ म्यूनिख के लिए एक मात्र गोल डेविस ने किया। दोनों टीमों द्वारा टाइम तक बराबरी पर थीं। मैच के 68वें मिनट में म्यूनिख के डेविस ने गोल कर अपनी टीम को



जोसेलु के गोल कर लेकर रहा विवाद

वहाँ मैच के 88 वें मिनट में जोसेलु ने एंटोनियो रुडिंगर के पास को गोल में तब्दील कर दिया। जोसेलु के गोल देविस ने किया। दोनों टीमों द्वारा टाइम तक बराबरी पर थीं। जोसेलु के इस गोल को लेकर विवाद रहा। शुरूआत में गोल को ऑफ साइड करार दिया गया,

लेकिन वीडियो सहायक रेफरी ने गोल को सही करार दिया। वहाँ उन्होंने टीम के लिए दूसरा गोल 91वें मिनट में किया और इस तरह रियल मैट्रिड इस मैच में म्यूनिख से 2-1 से आगे हो गया।

1-0 के बढ़त दिला दी और फाइनल के लिए राह आसान कर दिया। उन्होंने सेंटर सर्कल में साथी खिलाड़ी केन के बायां और से दिए पार को गोल में तब्दील कर दिया। टीमों ने 2-2 गोल किया थे। यह 92-2 की बराबरी पर था। ऐसे में दोनों लेग को पिछे चुनाव में गैस सिलेंडर द्वारा चिक्काकर दिशामित कर दिया। चुनाव में बराबरी के 3 गोल रहा। बताते चलते कि राहंड ऑफ 16 से लेकर सेमीफाइनल तक के मुकाबले 2 लेग में खेले जाते हैं। एक-एक मैच दोनों खलवां के घर में होते हैं। दोनों लेग में कुल मिला कर ज्यादा गोल करने वाली टीम को विजयी घोषित किया जाता है।

पहले लेग में स्कोर बराबरी पर था

वहाँ पहले लेग के खेले गए सेमीफाइनल में दोनों टीमों ने 2-2 गोल किया थे। यह 92-2 की बराबरी पर था। ऐसे में दोनों लेग को पिछे चुनाव में गैस सिलेंडर द्वारा चिक्काकर दिशामित कर दिया। चुनाव में बराबरी के 3 गोल रहा। बताते चलते कि राहंड ऑफ 16 से लेकर सेमीफाइनल तक के मुकाबले 2 लेग में खेले जाते हैं। एक-एक मैच दोनों खलवां के घर में होते हैं। दोनों लेग में कुल मिला कर ज्यादा गोल करने वाली टीम को विजयी घोषित किया जाता है।

रियल मैट्रिड यूएफए चैपियंस लीग के फाइनल में

जोसेलु के गोल कर लेकर रहा विवाद

वहाँ मैच के 88 वें मिनट में जोसेलु ने एंटोनियो रुडिंगर के पास को गोल में तब्दील कर दिया। जोसेलु के गोल देविस ने किया। दोनों टीमों द्वारा टाइम तक बराबरी पर थीं। जोसेलु के इस गोल को लेकर विवाद रहा। शुरूआत में गोल को ऑफ साइड करार दिया गया,

लेकिन वीडियो सहायक रेफरी ने गोल को सही करार दिया। वहाँ उन्होंने टीम के लिए दूसरा गोल 91वें मिनट में किया और इस तरह रियल मैट्रिड इस मैच में म्यूनिख से 2-1 से आगे हो गया।

पहले लेग में स्कोर बराबरी पर था

वहाँ मैच के 88 वें मिनट में जोसेलु ने एंटोनियो रुडिंगर के पास को गोल में तब्दील कर दिया। जोसेलु के गोल देविस ने किया। दोनों टीमों द्वारा टाइम तक बराबरी पर थीं। जोसेलु के इस गोल को लेकर विवाद रहा। शुरूआत में गोल को ऑफ साइड करार दिया गया,

लेकिन वीडियो सहायक रेफरी ने गोल को सही करार दिया। वहाँ उन्होंने टीम के लिए दूसरा गोल 91वें मिनट में किया और इस तरह रियल मैट्रिड इस मैच में म्यूनिख से 2-1 से आगे हो गया।

पहले लेग में स्कोर बराबरी पर था

वहाँ मैच के 88 वें मिनट में जोसेलु ने एंटोनियो रुडिंगर के पास को गोल में तब्दील कर दिया। जोसेलु के गोल देविस ने किया। दोनों टीमों द्वारा टाइम तक बराबरी पर थीं। जोसेलु के इस गोल को लेकर विवाद रहा। शुरूआत में गोल को ऑफ साइड करार दिया गया,

लेकिन वीडियो सहायक रेफरी ने गोल को सही करार दिया। वहाँ उन्होंने टीम के लिए दूसरा गोल 91वें मिनट में किया और इस तरह रियल मैट्रिड इस मैच में म्यूनिख से 2-1 से आगे हो गया।

पहले लेग में स्कोर बराबरी पर था

वहाँ मैच के 88 वें मिनट में जोसेलु ने एंटोनियो रुडिंगर के पास को गोल में तब्दील कर दिया। जोसेलु के गोल देविस ने किया। दोनों टीमों द्वारा टाइम तक बराबरी पर थीं। जोसेलु के इस गोल को लेकर विवाद रहा। शुरूआत में गोल को ऑफ साइड करार दिया गया,

लेकिन वीडियो सहायक रेफरी ने गोल को सही करार दिया। वहाँ उन्होंने टीम के लिए दूसरा गोल 91वें मिनट में किया और इस तरह रियल मैट्रिड इस मैच में म्यूनिख से 2-1 से आगे हो गया।

पहले लेग में स्कोर बराबरी पर था

वहाँ मैच के 88 वें मिनट में जोसेलु ने एंटोनियो रुडिंगर के पास को गोल में तब्दील कर दिया। जोसेलु के गोल देविस ने किया। दोनों टीमों द्वारा टाइम तक बराबरी पर थीं। जोसेलु के इस गोल को लेकर

चूंग रील्स

पीएम रोड शो के लिए सुरक्षा
के लिए अधिक इंतजाम, 55
प्लाटन सुरक्षा बल तैनात



भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 तारीख को चुनाव प्रचार के लिए भुवनेश्वर आ रहे हैं। मास्टर कैटीन से बायांविहार तक रोड शो करेंगे। इसके लिए कमिश्नर पुलिस को और से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गयी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी 18 घंटे काम करते हैं। गरीबों को गैस सिलेंडर देने, घर बनाने, स्वच्छ पानी, उपचार की सुविधा, खाना खुलावने से लेकर स्वच्छा शौचालय बनावने का काम मोदीजी की सोच से संभव हुआ है। यह यहां राज्य में भी भाजपा की सरकार बनती है तो केंद्र सरकार की आतंकवाद से मुक्त दिलाने का काम भिजले दस साल में हुआ है। विष्णु देव साध ने कहा, ओडिशा में खनिज और बन संपदा की कोई कमी नहीं लेकिन

ओडिशा को घाहिए मोदी की अगुवाई वाली डबल इंजन सरकार : विष्णु देव साध

कठा - आदिवासियों का कल्याण सिर्फ भाजपा सरकार कर सकती है



फिर भी यहां गरीबों का जैसा कल्याण होना चाहिए वह नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि ओडिशा में भी डबल इंजन की सरकार बनावने का काम मोदीजी की सोच से संभव हुआ है। यह यहां राज्य में भी भाजपा की सरकार बनती है तो केंद्र सरकार की सभी योजनाएं अच्छे से क्रियान्वित होंगी। डबल इंजन की सरकार होने से काफी लाभ होता है। छत्तीसगढ़ में 15 साल किया कि 13 मई को लोकसभा

पांच साल के लिए कांग्रेस ने सत्ता संभाली तो भ्रष्टाचार को जमकर बढ़ावा मिला। तीन महीने पहले आई भाजपा सरकार ने एक बार परिवास कार्यों को गति दे रही है। डबल इंजन की सरकार ने किसीनों, महिलाओं और युवाओं से क्रियान्वित होंगी। डबल इंजन की सरकार होने से काफी लाभ होता है। छत्तीसगढ़ में 15 साल किया कि 13 मई को लोकसभा

और विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों आशीर्वाद प्रदान करें। इस अवसर पर लोकसभा भाजपा विधायिकों के प्रत्याशी कैलास कुलसिका, छत्तीसगढ़ के कैविनेट मंत्री केवदर कर्षण, विधायक पुरंदर मिश्र जी, जिलाध्यक्ष सुमन्त्र प्रधान समेत बड़ी संख्या में नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एनटीपीसी बोंगाइगांव ने छठे कॉर्पोरेट प्रबंधन ओलंपियाड में पहली उपविजेता ट्रॉफी हासिल की



प्रतिनिधित्व करने वाली 17 से अधिक टीमों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सर्वोत्तम प्रक्रिया अभ्यास विषय पर अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन की गयी है। एनटीपीसी बोंगाइगांव के व्यापार इकाई प्रमुख के साथ टीम को समर्थन किया। यह शानदार सफलता को हार्दिक बधाई दी। उत्तरीधरन ने स्टेशन की प्रतिष्ठा बढ़ानी में उनकी उपलब्धि के महत्व पर जोर दिया और उनसे उत्कृष्टता के लिए प्रवास

लचौलापन को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जो उन्हें उभरते व्यावसायिक प्रदर्शन में आगे बढ़ने के लिए सक्षम बनाता है। एनटीपीसी बोंगाइगांव का उत्तरोत्तरीय प्रदर्शन नई वास्तविकता को प्रोत्तेज करने के लिए एक शानदार उदाहरण है। इस उत्तरोत्तरीय उपलब्धि के अलावा, एनटीपीसी 2024 के लिए प्रतिवेगिता के निविवाद समग्र चैपियन के रूप में उभरा, जिसने विजय, विजेनेरो एवं सिमुलेशन और केस स्टडीज विभिन्न शैक्षियों में उपलब्धि देना नहीं लड़ रहे हैं। इन्होंने एक दिन पहले गुरुवार को प्रत्यक्ष निवेश लिया इडी ने कोर्ट में हल्फनाम दाखिल किया। न्यूज एजेंसी पीटीआइ के मुताबिक, इडी ने कहा कि वे (केजरीवाल) बुनाव नहीं लड़ रहे हैं और इससे पहले किसी नेता को प्रधार के लिए न्यायिक हिरासत से जमानत नहीं मिली है।

जारी रखने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त महाप्रबंधक (प्रभारी) रमेश कुमार बेहरा ने अज खुर्द रोड-बलांगीर रेल लाइन परियोजना के बीच-बीच परियोजने के लिए विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया। एनटीपीसी बोंगाइगांव के व्यापार इकाई प्रमुख के साथ टीम को समर्थन किया। अंत-इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में एनटीपीसी बोंगाइगांव का प्रतिनिधित्व किया। आँनलाइन मोड में ग्रामीणों के लिए उत्कृष्टता के लिए

जारी रखने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में एनटीपीसी बोंगाइगांव के अतिरिक्त महाप्रबंधक (प्रभारी) ओकार नाथ और उपस्थिति भी देखी गयी, जिन्होंने इस अवसर पर अपने प्रोत्तेज के साथ टीम को समर्थन किया। यह शानदार सफलता को हार्दिक बधाई दी। उत्तरीधरन ने नेता को प्रधार के लिए न्यायिक हिरासत से जमानत नहीं मिली है।

पूर्व तट रेलवे के महाप्रबंधक ने खुर्द रोड-बलांगीर रेल इन परियोजना के बौद्ध-चंपापुर रेलवे खंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बेहरा ने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। प्रगति की समीक्षा करते हुए, बेहरा ने रेलवे अधिकारियों को परियोजना को समर्पण पर पूरा करने और प्रस्तावित स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के लिए

जल्द से जल्द पूरा करने के लिए परियोजना के दोनों ओर यानी खोरात रोड और बलांगीर की ओर से निर्माण कार्य कर रहा है। खोरात से देशपल्ला तक कर्पोरेट स्ट्रेट एसोसिएशन को रेलवे अधिकारी और प्रबंधन के साथ नवाचार में अग्रणी के रूप में एनटीपीसी की स्थिति की पुष्टि करती है।

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पूर्व तट रेलवे के महाप्रबंधक (प्रभारी) रमेश कुमार बेहरा ने अज खुर्द रोड-बलांगीर रेल लाइन परियोजना के बीच-बीच परियोजने के लिए विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया। एनटीपीसी बोंगाइगांव के व्यापार इकाई प्रमुख के साथ टीम को समर्थन किया। अंत-इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में एनटीपीसी बोंगाइगांव का प्रतिनिधित्व किया। आँनलाइन मोड में ग्रामीणों के लिए उत्कृष्टता के लिए

आजाद सिपाही संवाददाता

जल्द से जल्द पूरा करने के लिए परियोजना के दोनों ओर यानी खोरात रोड और बलांगीर की ओर से निर्माण कार्य कर रहा है। खोरात से देशपल्ला तक कर्पोरेट स्ट्रेट एसोसिएशन को रेलवे अधिकारी और प्रबंधन के साथ नवाचार में अग्रणी के रूप में एनटीपीसी की स्थिति की पुष्टि करती है।

पूर्व तट रेलवे के महाप्रबंधक ने खुर्द रोड-बलांगीर रेल इन परियोजना के बौद्ध-चंपापुर रेलवे खंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बेहरा ने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। प्रगति की समीक्षा करते हुए, बेहरा ने रेलवे अधिकारियों को परियोजना को समर्पण पर पूरा करने और प्रस्तावित स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के लिए

जल्द से जल्द पूरा करने के लिए परियोजना के दोनों ओर यानी खोरात रोड और बलांगीर की ओर से निर्माण कार्य कर रहा है। खोरात से देशपल्ला तक कर्पोरेट स्ट्रेट एसोसिएशन को रेलवे अधिकारी और प्रबंधन के साथ नवाचार में अग्रणी के रूप में एनटीपीसी की स्थिति की पुष्टि करती है।

आजाद सिपाही संवाददाता

जल्द से जल्द पूरा करने के लिए परियोजना के दोनों ओर यानी खोरात रोड और बलांगीर की ओर से निर्माण कार्य कर रहा है। खोरात से देशपल्ला तक कर्पोरेट स्ट्रेट एसोसिएशन को रेलवे अधिकारी और प्रबंधन के साथ नवाचार में अग्रणी के रूप में एनटीपीसी की स्थिति की पुष्टि करती है।

आजाद सिपाही संवाददाता

जल्द से जल्द पूरा करने के लिए परियोजना के दोनों ओर यानी खोरात रोड और बलांगीर की ओर से निर्माण कार्य कर रहा है। खोरात से देशपल्ला तक कर्पोरेट स्ट्रेट एसोसिएशन को रेलवे अधिकारी और प्रबंधन के साथ नवाचार में अग्रणी के रूप में एनटीपीसी की स्थिति की पुष्टि करती है।

आजाद सिपाही संवाददाता

जल्द से जल्द पूरा करने के लिए परियोजना के दोनों ओर यानी खोरात रोड और बलांगीर की ओर से निर्माण कार्य कर रहा है। खोरात से देशपल्ला तक कर्पोरेट स्ट्रेट एसोसिएशन को रेलवे अधिकारी और प्रबंधन के साथ नवाचार में अग्रणी के रूप में एनटीपीसी की स्थिति की पुष्टि करती है।

आजाद सिपाही संवाददाता

जल्द से जल्द पूरा करने के लिए परियोजना के दोनों ओर यानी खोरात रोड और बलांगीर की ओर से निर्माण कार्य कर रहा है। खोरात से देशपल्ला तक कर्पोरेट स्ट्रेट एसोसिएशन को रेलवे अधिकारी और प्रबंधन के साथ नवाचार में अग्रणी के रूप में एनटीपीसी की स्थिति की पुष्टि करती है।

आजाद सिपाही संवाददाता

जल्द से जल्द पूरा करने के लिए परियोजना के दोनों ओर यानी खोरात रोड और बलांगीर की ओर से निर्माण कार्य कर रहा है। खोरात से देशपल्ला तक कर्पोरेट स्ट्रेट एसोसिएशन को रेलवे अधिकारी और प्रबंधन के साथ नवाचार में अग्रणी के रूप में एनटीपीसी की स्थिति की पुष्टि करती है।

आजाद सिपाही संवाददाता

जल्द से जल्द पूरा करने के लिए परियोजना के दोनों ओर यानी खोरात रोड और बलांगीर की ओर से निर्माण कार्य कर रहा है। खोरात से देशपल्ला तक कर्पोरेट स्ट्रेट एसोसिएशन को रेलवे